सीआईएमपी के स्टूडेंट पहनेंगे खादी

खादी को बढ़ावा देने के लिए खादी बोर्ड एवं चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के बीच हुआ समझौता

patna@inext.co.in

PATNA (31 Dec) : बिहार खादी को बढ़ावा देने के लिए बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड एवं चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के बीच एक समझौते पर शनिवार को हस्ताक्षर किया गया. समझौते के तहत संस्थान के छात्र सप्ताह में एक दिन खादी के कपड़े पहनेंगे. साथ ही संस्थान में चादर एवं पर्दे के लिए खादी के वस्त्रों का उपयोग किया जाएगा. समझौता पत्र पर हस्ताक्षर खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के सीईओ दिलीप कुमार एवं चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के निदेशक डा.राणा सिंह ने किया.

करार के दौरान अधिकारी व मैथिली ठाकुर.

मैथिली ठाकुर ने किया पुरस्कृत

विजेताओं को मैथिली ठाकुर ने किया पुरस्कृत खादी बोर्ड द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को खादी के ब्रांड अंबेस्डर मैथिली ठाकुर ने पुरस्कृत किया. प्रतियोगिता में राजधानी के कोने-कोने से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया. इस अवसर पर खादी माल के प्रबंधक रमेश कुमार ने कहा कि एक जनवरी से माल में 30 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी. 50 प्रतिशत छूट 31 को समाप्त हो गयी. इस दौरान माल की ओर से कुल 8 करोड़ रुपये की बिक्री हुई है. पुरस्कार वितरण समारोह में वरिष्ठ अधिकारी रिजवान अहमद, सुमित, अब्बास, दया शंकर, रवि सहित कई लोगों ने भाग लिया.

खादी बढ़ेगी तो बढ़ेगा रोजगार

इस अवसर पर खादी बोर्ड के सीईओ ने कहा कि खादी वस्त्र नहीं विचार है. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने खादी को लोगों को रोजगार से जोड़ा था. खादी को बढ़ावा देकर ही हम प्रदेश

पर संस्थान के छात्रों एवं कर्मियों को 10 प्रतिशत की विशेष छूट दी जाएगी. मौके पर संस्थान के निदेशक डा.राणा सिंह ने कहा कि संस्थान खादी को बढ़ावा देने के लिए हर संभव मदद

ब्रांड अंबेस्डर मैथिली ठाकुर, संस्थान के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कुमुद कुमार सहित कई लोगों ने भाग लिया.

हफ्ते में एक दिन खादी पहनेंगे सीआइएमपी के छात्र

जागरण संवाददाता, पटना : बिहार खादी को बढ़ावा देने के लिए बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड एवं चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के बीच एक समझौते पर शनिवार को हस्ताक्षर किया गया। समझौते के तहत संस्थान के छात्र सप्ताह में एक दिन खादी के कपड़े पहनेंगे। साथ ही संस्थान में चादर एवं पर्दे के लिए खादी के वस्त्रों का उपयोग किया जाएगा। समझौता पत्र पर हस्ताक्षर खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के सीईओ दिलीप कुमार एवं चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के निदेशक डा.राणा सिंह ने किया।

इस अवसर पर खादी बोर्ड के सीईओ ने कहा कि खादी वस्त्र नहीं विचार है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने खादी को लोगों को रोजगार से जोड़ा था। खादी को बढ़ावा देकर ही हम प्रदेश से बेरोजगारी दूर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि खादी माल से खरीदारी करने पर संस्थान के छात्रों एवं कर्मियों को दस प्रतिशत की विशेष छूट प्रदान की जाएगी।

समझौता पत्र के साथ खादी बोर्ड के सीईओ दिलीप कुमार एवं सीआइएमपी के डा.राणा सिंह

विजेताओं को ब्रांड अंबेस्डर मैथिली ठाकुर ने किया पुरस्कृत

खादी बोर्ड द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को खादी के ब्रांड अंबेस्डर मैथिली ठाकुर ने पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता में राजधानी के कोने-कोने से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर खादी माल के प्रबंधक रमेश कुमार ने कहा कि 50 प्रतिशत छूट 15 जनवरी तक लागू रहेगा। इस दौरान माल की ओर से कुल 8 करोड़ रुपये की बिक्री हुई है। पुरस्कार वितरण समारोह में वरिष्ठ अधिकारी रिजवान अहमद, सुमित, अब्बास, दया शंकर, रवि सहित कई लोगों ने भाग लिया।

Dainik Jagran ! Page.No-06 ! Dated:01-01-2023

चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान का बिहार खादी बोर्ड के साथ एमओयू

फैशन के फलक पर उतरेगी खादी, युवा बनेंगे स्टाइलिश

पटना | चंद्रगुप्त इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना व बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के बीच खादी और ग्रामोद्योग के क्षेत्र में मिलकर काम करने को लेकर सहमति हुई। इस एमओयू पर बिहार खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी दिलीप कुमार और चंद्रगुप्त इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट पटना के निदेशक डॉ राणा सिंह ने हस्ताक्षर किए। समारोह में बिहार खादी, हैंडलूम और हस्तशिल्प की ब्रांड एंबेसडर मैथिली ठाकुर भी उपस्थित थीं। डॉ. राणा सिंह ने

कहा कि आधुनिक प्रबंधकीय कौशल का प्रयोग करके खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों को लोकल से ग्लोबल बनाना संभव है। खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी दिलीप कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के मूल में खादी है। समय के साथ खादी की गुणवत्ता और खादी से जुड़े फैशन में बदलाव आया है। इस क्षेत्र में नया मंत्र है- खादी फॉर नेशन खादी फॉर फैशन और खादी फॉर ट्रांसफॉरमेशन। बिहार खादी को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए तथा पूरी दुनिया में पहुंचाने के लिए बोर्ड अपनी ओर से कार्य योजना बना रहा है। सीआईएमपी को बोर्ड से जोड़ा गया है ताकि खादी को वैश्विक बाजार तक पहुंचाया जा सके।

Dainik Bhaskar ! Page.No-09 ! Dated:01-01-2023

बिहार खादी को बढ़ावा देगा चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान

एमओयू के मौके पर मौजूद खादी बोर्ड और सीआईएमपी के पदाधिकारी और मैथिली ठाकुर।

पटना (एसएनबी)। बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड और चंद्रगुप्त इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के बीच खादी और ग्रामोद्योग के क्षेत्र में मिलकर काम करने को लेकर सहमति हुई। इस आशय के मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर बिहार खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी दिलीप कुमार और चंद्रगुप्त इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के निदेशक डा. राणा सिंह ने हस्ताक्षर किए। प्रबंधन संस्थान में आयोजित इकरारनामा हस्ताक्षर समारोह में बिहार खादी, हैंडलूम और हस्तशिल्प की ब्रांड एंबेसडर लोक गायिका मैथिली ठाकुर भी उपस्थित रहीं।

मौके पर डा. राणा सिंह ने कहा कि आधुनिक प्रबंधकीय कौशल का प्रयोग कर

■ खादी बोर्ड और संस्थान के बीच एमओयू पर हुआ हस्ताक्षर

खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों को लोकल से ग्लोबल बनाना संभव है। पूरी दुनिया में शुद्ध और अर्गेनिक उत्पादों के प्रति रुझान बन रहा है। अगले कुछ दशकों में यह और बढ़ेगा। बड़े ब्रांड के उत्पादों को भी अपने मार्केट की खोज में गांव में जाना पड़ रहा है। राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के मूल्य खादी में निहित हैं लेकिन समय के साथ खादी की गुणवत्ता और खादी से जुड़े फैशन में बदलाव आया है। इस क्षेत्र में नया मंत्र है- खादी फॉर मेशन खादी फॉर फैशन और खादी फॉर ट्रांसफरमेशन। खादी को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए बोर्ड अपनी ओर से कार्य योजना बना रहा है।

Rastriya Sahara ! Page.No-04 ! Dated:01-01-2023

बिहार खादी बोर्ड का चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान से इकरारनामा

पटना (आससे)। बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड और चंद्रगुप्त इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना के बीच खादी और ग्रामोद्योग के क्षेत्र में मिलकर काम करने को लेकर सहमति हुई। इस आशय के मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर बिहार खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी दिलीप कुमार और चंद्रगुप्त इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट पटना के निदेशक डॉ राणा सिंह ने हस्ताक्षर किए। प्रबंधन संस्थान में आयोजित इकरारनामा हस्ताक्षर समारोह में बिहार खादी, हैंडलूम और हस्तशिल्प की ब्रांड एंबेसडर प्रसिद्ध लोक गायिका मैथिली ठाकुर भी उपस्थित रही। कार्यक्रम में डॉ राणा सिंह ने कहा कि आधुनिक प्रबंधकीय कौशल का प्रयोग करके खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों को लोकल से ग्लोबल बनाना संभव है। पूरी दुनिया में शुद्ध और ऑर्गेनिक उत्पादों के प्रति रुझान बन रहा है और अगले कुछ दशकों में यह रुझान और बढ़ेगा। बड़े ब्रांड के उत्पादों को भी अपने मार्केट की खोज में गांव में जाना पड़ रहा है। मार्केटिंग, ब्रांडिंग और लॉजिस्टिक के क्षेत्र में हुए सुधारों और नए प्रयोगों से गांव के प्रोडक्ट को पूरी दुनिया में भी कहीं पर भी पहुंचाना संभव हो गया है। बिहार राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी दिलीप कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के मूल्य खादी में निहित हैं। लेकिन समय के साथ खादी की गुणवत्ता और खादी से जुड़े फैशन में बदलाव आया है। इस क्षेत्र में नया मंत्र है- खादी फॉर मेशन खादी फॉर फैशन और खादी फॉर ट्रांसफॉरमेशन। बिहार खादी को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए तथा पूरी दुनिया में पहुंचाने के लिए बोर्ड अपनी ओर से कार्य योजना बना रहा है। चंद्रगुप्त इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट को स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप के तहत बोर्ड से जोड़ा गया है ताकि खादी ग्रामोद्योग के उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाया जा सके। बोर्ड से जुड़े लोगों का प्रशिक्षण यहां कराया जाएगा। संस्थान को बोर्ड द्वारा प्रीमियम पार्टनर बनाया गया है। अब इस संस्थान को और संस्थान से जुड़े सभी लोगों को बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के उत्पादों पर 10त्र की अतिरिक्त छूट प्रदान की जाएगी। इसके लिए वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा की जाएगी। उन्होंने चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट के बच्चों से कहा कि आप लोग उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ें। नये आइडिया के साथ स्टार्टअप बनाएं। डॉक्टर को गांवों से जोड़ें। भारत के गांव भारत के गांव सबसे उभरते हुए और सबसे बड़े बाजार हैं। ग्रामीण लोगों की समस्याओं को समझते हुए नवाचारों और नई प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए नए समाधान खोजे जाने की आवश्यकता है।

लोक गायिका मैथिली ठाकुर ने कहा कि बिहार खादी हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट से जोड़कर वह काफी खुश हैं। ग्रामीण बिहार के उत्पादों को ग्लोबल मार्केट तक पहुंचाने के लिए युवाओं को आगे आना चाहिए। स्टार्टअप इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

AAJ ! Page.No-04 ! Dated:01-01-2023

खादी क्विज के विजेताओं को मैथिली ने पुरस्कृत किया

समझौता पत्र पर शनिवार को बिहार खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी दिलीप कुमार और चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ,पटना के निदेशक डॉ राणा सिंह ने हस्ताक्षर किए। साथ में ब्रांड एंबेसडर मैथिली ठाकुर भी मौजूद रही।

10 विजेताओं को दिया गया पुरस्कार

खादी वस्त्र आरामदायक और किफायती : मैथिली

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड की ओर से आयोजित क्विज के 10 विजेताओं को बिहार खादी हैंडलूम और हस्तशिल्प की ब्रांड एंबेसडर मैथिली ठाकुर ने पुरस्कृत किया। आयोजन खादी मॉल में किया गया। पुरस्कृत प्रतिभागियों में करण कुमार, अजय कुमार, चांदनी सारस्वत, सीमा सिंह, इंद्रानी सिंह, सोनी कुमारी, आशीष आनंद, मनीष कुमार, शिखा आदि शामिल रहे। बोर्ड के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी दिलीप कुमार ने कहा कि युवाओं को खादी और ग्राम उद्योग से जुड़ने के लिए बोर्ड द्वारा लगातार प्रयास किए जाते रहेंगे। मैथिली ठाकुर ने कहा कि खादी वस्त्र आरामदायक और किफायती के साथ-साथ ट्रेंडी भी है। संगीत गुरु रमेश ठाकुर, ऋषभ ठाकुर, अयाची ठाकुर, लोक गायिका डॉ. नीतू कुमारी नवगीत, वित्त अधिकारी प्रदीप कुमार, रमेश चौधरी व अन्य थे।

बिहार खादी को बढ़ावा देगा चित्रगुप्त प्रबंध संस्थान

पटना। बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड और चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना के बीच खादी ग्रामोद्योग के क्षेत्र में मिलकर काम करने को लेकर सहमति हुई। एमओयू पर बिहार खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और सीआईएमपी निदेशक ने हस्ताक्षर किए। मैथिली ठाकुर भी उपस्थित रहीं।

Hindustan ! Page.No-08 ! Dated:01-01-2023